

**आभोग्य** पुं. (तत्.) भोगने योग्य, भोज्य पदार्थ।

**आभोजी** वि. (तद्.) भोगने वाला, आहार करने वाला, खाद्य वस्तु का उपभोग करने वाला।

**आभोज्य** वि. (तत्.) 1. भोजन के योग्य, खाने के लिए उपयुक्त 2. पुं. खाद्य पदार्थ, अन्न, भोजन।

**आभ्यंतर** पुं. (तत्.) भीतरी, अंदर का, अंदरूनी।

**आभ्यंतर खेल** पुं. (तत्.) दे. अंदरूनी खेल।

**आभ्यंतर प्रयत्न** पुं. (तत्.) किसी व्यंजन के उच्चारण हेतु भीतर साँस खींचने का कार्य। सिंधी भाषा में आभ्यंतर प्रयत्न के कुछ व्यंजन उपलब्ध हैं।

**आभ्यंतर रोगी** पुं. (तत्.) अस्पताल में भर्ती रोगी indoor patient विलो. बहिरंग रोगी।

**आभ्यंतरिक** वि. (तत्.) अंतरंग, भीतरी।

**आभ्यासिक अपराधी** पुं. (तत्.) वह व्यक्ति जो (बार-बार) अपराध करने का अभ्यस्त हो चुका हो। habitual offender

**आभ्युदयिक** वि. (तत्.) अभ्युदय कराने वाला, मंगलकारी, कल्याणकारी पुं. (तत्.) 1. पुत्र जन्म, विवाह आदि के अवसर पर किया जाने वाला एक श्राद्ध जिसे नांदी मुख भी कहते हैं 2. दही, बेर और चावल को मिलाकर बनाया हुआ एक पिंड जिसे पहले इस श्राद्ध में माता, दादी और परदादी को (तीन पिंड) देकर बाप, दादा और परदादा आदि को पिंड दिया जाता है।

**आमंत्रण** पुं. (तत्.) 1. निमंत्रण, न्योता, बुलावा 2. संबोधन, बुलाना, पुकारना।

**आमंत्रित** वि. (तत्.) [आ+मंत्रित] बुलाया हुआ, नियंत्रित, जिस को न्योता दिया गया हो जो आमंत्रण देकर बुलाया गया हो।

**आमंद्र** पुं. (तद्.) गंभीर स्वर, भारी-भरकम आवाज़ वि. गंभीर स्वर वाला, भारी-भरकम आवाज़ वाला।

**आम** पुं. (तत्.) 1. एक प्रकार का मीठा रसीला फल तथा उस का वृक्ष, पक जाने पर इसका गूदा पीला और सुगंधित हो जाता है, गुठली मोटे छिलके वाली होती है, आम्र, रसाल मुहा. आम के आम गुठली के दाम- दोहरा लाभ उठाना; आम खाने से काम या पेड़ गिनने से- अपना काम निकालना न कि किसी विषय पर निरर्थक प्रश्न करना 2. डंठल से अलग हुआ अन्न 3. खाए हुए अन्न का अनपचा हुआ मल जो सफेद और लसीला होता है 4. वह रोग जिसमें आँव गिरती है 5. अजीर्ण, अपच वि. (तत्.) 1. कच्चा, अधपका 2. न पचा हुआ वि. (अर.) 1. साधारण, सामान्य, मामूली, सार्वजनिक प्रयो. यह आम रास्ता नहीं है 2. प्रसिद्ध, विख्यात 3. व्यापक, फैला हुआ प्रयो. आजकल प्रेम विवाह आम हो गए हैं।

**आम आदमी** पुं. (फा.) सामान्य या मामूली आदमी जिसे रोटी, कपड़ा, मकान आदि बुनियादी आवश्यकताओं के लिए भी जी-तोड़ मेहनत करनी पड़ती है पर्या. सामान्य जन, जनसाधारण। common man

**आमक** पुं. (अं.) वह श्मशान जहाँ मृत व्यक्तियों के शरीर कौओ, गिद्धों आदि के खाने के लिए यो ही फेंक दिए जाते हैं टि. सामान्यतः पारसी मतावलंबियों में यह प्रथा है।

**आमगंधि** वि. (तत्.) कच्चे मांस या जलते हुए शव की गंध वाला।

**आमगंधिक** वि. (तत्.) दे. आमगंधि।

**आमगंधी** वि. (तत्.) दे. आमगंधि।

**आम चुनाव** पुं. (अर.+देश) संसद के लिए जनप्रतिनिधियों का चुना जाना, जिसमें पूरे देश के मतदाता भाग लेते हैं। general election

**आमड़ा** पुं. (तद्.) आम जैसे स्वाद वाला एक फल जो खट्टा और आकार में बड़े बेर के बराबर होता है, इससे अचार बनता है।